पाठ योजना - 1

By - Dr Seema Chaudhary

छात्राध्यापिका का नाम -	विद्यालय का नाम -
अनुक्रमांक	चक्र - III
कक्षा IX	दिनांक -
विषय हिन्दी	समय - 40 मिनट
प्रकरण 'पूरा हिन्दुस्तान मिलेगा'	

पाठ कथन -

शिक्षण बिन्दु	अनुदेशात्मक उद्देश्य
केदारनाथ अग्रवाल द्वारा रचित कविता 'पूरा हिन्दुस्तान मिलेगा' के माध्यम से छात्रों में स्फूर्ति जगाना तथा समाजवादी समाज के महत्व को समझाना और पूँजीपतियों शुदखोरों की हृदयहीनता एवं क्रुरता को उजागर करना एवं छात्रों में आजाद भारत अर्थात् शोषण मुक्त भारत या समाज की परिकल्पना का विकास करवाते हुए उनमें इन सारे तथ्यों का ज्ञानात्मक बोध कराना है।	इस कविता के पद्यांश के अध्ययन के उपरान्त - (i) छात्रों में हिन्दी पद्य के प्रति अभिरुचि उत्पन्न हो सकेगी। (ii) छात्रों में पद्यांश के सस्वर वाचन की क्षमता का विकास होगा। (iii) छात्र कविता के माध्यम से आजाद भारत अर्थात शोषण मुक्त समाज की कल्पना करने में समर्थ हो सकेंगे। (iv) छात्र कविता के आदर्श वाचन के माध्यम आरोह-अवरोह को जान सकेंगे। (v) छात्रों के शब्द भंडार में वृद्धि हो सकेगी।

Scanned with CamScanner

शिक्षण विधियाँ	सहायक सामग्री
(1) प्रश्नोत्तर विधि (2) व्याख्यान विधि	पुस्तक, चॉक, डस्टर इत्यादि

पूर्वज्ञान — छात्र उक्त पाठ से संबंधित तथ्यों के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना

छात्राध्यापक / छात्राध्यापिका क्रियायें	छात्र क्रियाएं
Q1. हम किस देश में रहते हैं?	भारत में।
Q2. भारत देश किसका गुलाम था?	अंग्रेजों का।
Q3. अंग्रेजों से हिन्दुस्तान का कितना हिस्सा मिलने के बाद हमें आजादी मिली थी?	पूरा हिन्दुस्तान

उद्देश्य कथन — आज हमलोग 'पूरा हिन्दुस्तान मिलेगा' पाठ का अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

आदन्त — इसी जीवन में .... 'पूरा हिन्दुस्तान मिलेगा।

संदर्भ — प्रस्तुत पंक्तियाँ प्रगतिवादी कवि 'केदारनाथ अग्रवाल' द्वारा विरचित 'पूरा हिन्दुस्तान मिलेगा' शीर्षक पाठ से ली गई हैं। इसमें कवि आम जनता में आशा का संचार कर रहे हैं।

Scanned with CamScanner

शिक्षण बिन्दु	व्यवहारिक उद्देश्य	छात्राध्यापक / छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट कार्य
आदर्श वाचन	छात्र ठीक ढंग से पद्यांश के आदर्श वाचन का अनुकरण करेंगे।	छात्राध्यापक / छात्राध्यापिका विराम चिन्हों इत्यादि का ध्यान रखते हुए शुद्ध उच्चारण सहित आरोह - अवरोह पूर्वक आदर्श वाचन करेंगे।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	कठिन्य निकारण पथ - रास्ता क्लेश - कलह त्रान - मुक्ति
अनुकरण वाचन	छात्र शुद्ध-शुद्ध ढंग से उच्चारण का अनुकरण करेंगे।	छात्राध्यापक / छात्राध्यापिका कतिपय छात्रों को अनुकरण वाचन हेतु निर्देश देगा।	छात्र अनुकरण वाचन करेंगे।	मान - सम्मान या इज्जत दीप - दीपक / ज्ञान / चेतन
उच्चारणाभ्यास	छात्र शुद्ध - शुद्ध उच्चारण कर सकेंगे।	छात्राध्यापक / छात्राध्यापिका पद्यांश में आये हुए कठिन शब्दों का उच्चारणाभ्यास करवायेगा।	कतिपय छात्र उच्चारण करेंगे।	शिक्षा - शिक्षा पठन-पाठन
प्रस्तुत पद्यांश की व्याख्या प्रसंग सहित	छात्र पद्यांश के अर्थ का ज्ञान बोध कर सकेंगे।	प्रसंग व व्याख्या - प्रस्तुत पद्यांश के रचयिता केदारनाथ अग्रवाल जनता में आशा का संचार करते हैं तथा शोषण मुक्त समाज की कल्पना करते हैं। कवि कहता है कि इसी जन्म में, इसी जीवन में हमको तुमको सभी सबको मान सम्मान मिलेगा अर्थात् जब देश आज़ाद	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे।	

Scanned with CamScanner

		होगा तो सबको मान सम्मान व इज्जत मिलेगा तथा रोजगार भी मिलेगा। आज़ाद हिन्दुस्तान में सभी सम्मान व कुशलतापूर्वक अपना विकास एवं जीवन निर्वाह करेंगे। कवि कहते हैं कि जहाँ-जहाँ क्लेश है दुख है दैहिक, दैविक सभी से मुक्ति मिलेगी। फूलों की खेती करने को पूरा हिन्दुस्तान मिलेगा। अर्थात् घर-घर में अमन चैन और खुशहाली का माहौल रहेगा। लोग स्वतंत्र देश में खुशहाल रहेंगे तथा अपना पूर्ण विकास कर सकेंगे।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे।	
व्याकरण संबंधी प्रश्न एवं उत्तर	छात्र व्याकरण संबंधी तथ्यों की जानकारी व प्रयोग कर सकेंगे।	अध्यापक/~~तथा~~ अध्यापिकायें पद्यांश में आये कतिपय शब्दों का विलोम पूछेंगे तथा उनका वाक्य प्रयोग भी करवायेंगे। प्र० - विद्या शब्द का बहुवचन रूप क्या होगा? मान का वाक्य प्रयोग - (1) मानव जीवन में मान से बढ़कर कुछ भी नहीं। (2) मान से हीन व्यक्ति पशु के समान माना जाता है। (3) सभा में नेताजी को काफी मान मिला। ज्ञान का वाक्य प्रयोग - (1) ज्ञान की सब पूजा करते हैं। (2) राम को अंग्रेजी का अल्पज्ञान है। (3) ज्ञानहीन मानव को मान नहीं मिलता। (4) प्रचार्य को ज्ञान की सब लोहा मानते हैं।	विद्यायें/विद्याओं	विलोम शब्द शब्द - विलोम जीवन - मरण मान - अपमान फूल - काँटाशूल ज्ञान - अज्ञान [illegible]

प्रयोगीकरण विधि का प्रयोग	छात्र अपनी क्षमता का पहचान कर सकेंगे।	प्र०1. 'पुरा हिन्दुस्तान मिलेगा' की कल्पना कवि कब करता है? प्र०2. कवि के मन में आज़ाद हिन्दुस्तान की कैसी कल्पना है?	जब देश आज़ाद होगा। शोषणमुक्त हिन्दुस्तान की कल्पना है।

मुल्यांकन प्रश्न :– 1. 'पुरा हिन्दुस्तान मिलेगा' कविता के माध्यम से कवि का क्या उद्देश्य है?

2. प्रस्तुत कविता में कवि गीतों और फूलों की खेती करने को क्यों कहता है?

गृहकार्य :– कवि की राष्ट्रीय भावना पर प्रकाश डालें।

By:- Dr. Seema Chaudhary
Assist. Professor
Bihar college of Education.
Giddha - Ara
29/04/2020

हस्ताक्षर पर्यवेक्षक
Signature of Supervisor

Scanned with CamScanner